

20⁸/₁₉

पञ्चावली वाले निर्णय कोर्ट के घाब 10 CPC
पेश 30 वकील प्रतिवादी / प्रार्थी ने कोर्ट

32

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व तारीख
अह्काय जो इस हुक्म
की तारीख में जारी हुए


हैं धारा 10 CPC पेश किया तथा दौरान वदम
नियोजन किया कि इस वादपत्र की प्रतिलिपि दिनांक
22.8.18 के पूर्व ही इन्ही शूमिनों बाबर
न्यायालय में एक वाद है 89/18 उन्वानी
जोपालसिंह बनाम मोहनसिंह वगै. बाबर
शुक्रवार व श्यामी निषेधात्मक दिनांक 22.6.18
को प्रस्तुत किया था जिसमें इस वादपत्र में
वादी वकील प्रतिवादी पक्षकार हैं तथा जॉर्जे वकील
न्यायालय हाजिर हो चुका है अतः श्रवणी वाद
जोपालसिंह बनाम मोहनसिंह में जवाबदावा पेश
करने के बजाय एक नया वाद पुनर्वाक्य व
वादवृत्तता बढ़ाने हेतु पेश किया गया है तथा
समान शूमिनों व समान पक्षकारों के बीच
एक ही न्यायालय में दो कसब-2 वाद विचारण
विधि वर्जित है अतः पश्चात्पत्ती दस्तावेज वाद
मोहनसिंह बनाम जोपालसिंह की अग्रिम
अन्वेषी प्रक्रिया क्रिये जाने का आदेश पदान
किया जावे। वकील वादी / अध्यायी ने दौरान वदम
जवाब आवेदन में धारा 10 CPC के तथ्यों के
दोस्ताने हुए निवेदन किया कि विवाहित खपप
न्यायालय व पक्षकार प्रयुक्त है अतः वाद को
प्रतिरुद्ध करना उचित नहीं है अतः आवेदन अन्वेषण
10 CPC खारिज करमाया जावे।
अन्वेषण के विगत रुचिवक्त की वदम
पर मनन किया गया दोनों पत्रावलियों का
अवलोकन किया गया। श्रवणी वाद है 89/18
उन्वानी जोपालसिंह बनाम मोहनसिंह व

तारीख
हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

पश्चात्तर्फी वाद नं 12/18 उमवती मोहनपिटे
वगम जोपालपिटे के कवलोक के स्थित है
कि दोनों ही वादपत्र बरचारा व स्थापितियाता
प्रमाणार्थ पेश किने जाये है तथा मुख्यतः अडलोष
की समान रूपा नम्बवान दाखल ही चहा
जाय है तथा पत्रकार भी समान है। डीवती
प्रमाण कदिया की धारा 10 के अन्तर्गत कोई
न्यायालय एके बिनी वाद के विचारण से जिनमे
विवाध विषय उन्ही के अन्वीन मुकामा करबे वाले
कि-ही पत्रकारों के बीच भा एके पत्रकारों के बीचके
जिनके अन्तर्गत के अन्वीन वे या उनमे के कोई
दावा करते है, बिनी श्वेतन अन्तर्गत वाद से भी
प्रत्यक्षतः जोत भातः विवाध है, कोते कार्तवारी
नही करेगा।

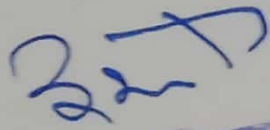
उरु उमवती वाद व श्वेतनी वाद 89/18
उमवती जोपालपिटे वगम मोहनपिटे के
प्रमुख पत्रकार व विवाध विषय भी
प्रत्यक्षतः व भातः एक ही है कोते धारा 10 CPC
के प्रावधान इस प्रकार से लागू होते है
कोते उक्त दृष्टगत उमवती वाद व श्वेतनी
वाद नं 89/18 उमवती जोपालपिटे वगम मोहनपिटे
के पत्रकार यकि तथा विवाद का विषय
व अडलोष प्रत्यक्षतः एक ही होते के पश्चात्तर्फी
वाद (12/18) उमवती मोहनपिटे वगम जोपालपिटे
की कार्तवारी श्वेतनी वाद नं. 89/18 उमवती
जोपालपिटे वगम मोहनपिटे के निलम्बण


जज

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल जज

नम्बर व त
अहकाय जो
की तारीख मे

लक (मगिद) की जारी है। फरवरी पूर्वकी का
नं ०७/१४ अन्वारी गोपालसिंह लगत मोहगसिंह
के माय संलग्न है।



उपखण्ड अधिकारी, दौतायनभुव
सीकर